समग्र कल्याण के लिये आध्यात्मिक शिक्षा

चर्चा में क्यों?

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ब्रह्माकुमारीज संस्था की स्वर्ण जयंती के अवसर पर हरियाणा के हिसार में **ब्रह्माकुमारीज संस्था** के राज्य स्तरीय अभियान **'समग्र कल्याण के लिये आध्यात्मिक शिक्षा' का शुभारंभ किया।**

मुख्य बिंदु

- **आध्यात्मिकता एक एकीकृत शक्ति के रूप में:**
  - राष्ट्रपति ने कहा कि **आध्यात्मिकता मानव निर्मित सीमाओं से परे है और मानवता को एकजुट करती है।**
  - उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि **आध्यात्मिकता पर आधारित प्रणालियाँ,** चाहे सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक या राजनीतिक हों, **नैतिक और स्थायी बनी रहती हैं।**
- **व्यक्तिगत कल्याण पर प्रभाव:**
  - जो व्यक्ति **आध्यात्मिक चेतना बनाए रखता है,** वह आंतरिक शांति के साथ-साथ बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का अनुभव करता है।
  - आध्यात्मिक शांति न केवल व्यक्ति को लाभ पहुँचाती है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा फैलाकर दूसरों के जीवन को भी समृद्ध बनाती है।
  - उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि **आध्यात्मिक शांति से अलगाव नहीं होना चाहिये,** बल्कि इसका उपयोग एक मज़बूत, स्वस्थ और समृद्ध समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिये किया जाना चाहिये।
- **ब्रह्मा कुमारीज़ का योगदान:**
  - **उन्होंने सामाजिक और राष्ट्रीय कल्याण** के लिये आध्यात्मिक ऊर्जा का उपयोग करने के लिये ब्रह्माकुमारीज़ की सराहना की।
  - संगठन **नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई,** **महिला सशक्तीकरण** **और पर्यावरण संरक्षण जैसी प्रमुख पहलों में सक्रिय रूप से योगदान देता है।**
  - उनके प्रयासों में विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्मकुमारी परिवार **समग्र कल्याण को बढ़ावा देने तथा आध्यात्मिकता के माध्यम से देश के समग्र विकास में सहयोग देने का कार्य जारी रखेगा।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spiritual-education-for-holistic-well-being